INSURANCE POWER CAPSULE FOR NICL AO & ASSISTANT EXAM 2015

भारत में बीमा विभाग

बीमा एक ऐसा अनुबंध है जिसमे कोई व्यक्ति किसी बीमा कम्पनी को एक निश्चित राशि नियमित रूप से भुगतान करने का करार करता है और इसके बदले में कम्पनी उस व्यक्ति को या उसके घर वालो को व्यक्ति की शारीरिक क्षति या मृत्यु की दशा एक मुश्त राशि प्रदान करती है इसके अतिरिक्त कम्पनी में अलग अलग प्रकार के बीमा होते हैं जिसमे कम्पनी किसी वस्तु की क्षति, चोरी आदि की दशा में उस वस्तु के बराबर या आंशिक भुगतान करती है, जिसे वित्तीय मुआवजा कहते हैं | इस बीमा अनुबंध के अंतर्गत, यदि प्रीमियम की राशि समयानुसार बीमाकर्ता द्वारा भुगतानित की गयी है तो, एक पक्ष (बीमा कम्पनी) किसी आकस्मिकता के कारण हुए नुकसान की भरपायी दुसरे पक्ष (बीमाकृत) को एक निश्चित समयावधि में एक निश्चित राशि देकर कर दे देती है |सामान्य बीमा की दशा में मुआवजा क्षति का एक हिस्सा होता है जबकि जीवन बीमा की दशा में पूर्वनिर्धारित एक राशि का भुगतान किया जाता है |

कुछ प्रकार के क्षतिपूरक बीमा जैसे की उत्पाद देयता बीमा, जोखिम प्रबंध के अतिआवश्यक भाग हैं तथा कुछ देशों में इस प्रकार का बीमा करना अतिआवश्यक है | बीमा सिर्फ वास्तविक (मूर्त) क्षति के लिए ही संरक्षण प्रदान करता है | व्यवसाय में मंदी, बाज़ार में गिरावट, ग्राहकों में विश्वास आदि से हुए नुकसान के भरपायी की जिम्मेदारी नहीं लेता है |

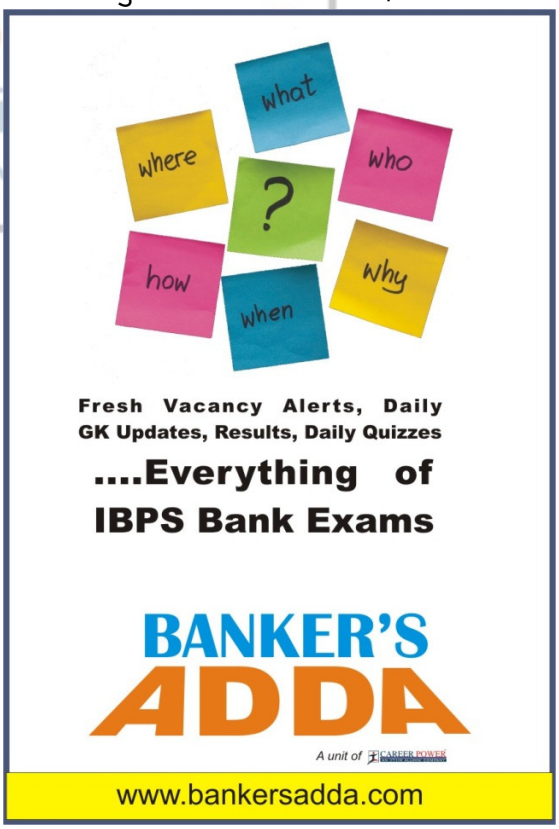

बीमा विभाग का संक्षिप्त इतिहास

भारत में बीमा क्षेत्र प्रतियोगिता के सभी पहलुओं को पूरा कर लिया है खुली प्रतिस्पर्धी बाजार से लेकर राष्ट्रीयकृत होने तक और उसके बाद एक बार फिर से एक उदारीकृत बाजार के रूप में |भारत में बीमा क्षेत्र के इतिहास को तो पता चलता है कि इसने लगभग पिछले दो शताब्दियों में गतिशीलता देखी है | कोलकाता में ओरिएंटल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी की स्थापना के साथ, भारतीय जीवन बीमा का कारोबार वर्ष 1818 में शुरू किया था |

भारतीय जीवन बीमा कारोबार में महत्वपूर्ण मील के पत्थर

- **1912:** भारतीय जीवन बीमा कंपनी अधिनियम जीवन बीमा व्यवसाय को विनियमित करने के लिए अस्तित्व में आया |

- **1928:** भारतीय बीमा कंपनी अधिनियम दोनों के जीवन और गैर-जीवन बीमा कारोबार पर सांख्यिकीय जानकारी एकत्र करने के लिए सरकार को सक्षम करने के लिए लागू किया गया था |
- **1938:** विधान बीमा जनता के हितों की रक्षा करने के उद्देश्य से बीमा अधिनियम समेकित किया गया |
- **1956:** 245 भारतीय और विदेशी बीमा कंपनियों और प्रोविडेंट समाजों को केंद्रीय सरकार द्वारा लिया गया है और उन्हें राष्ट्रीयकृत किया गया | एलआईसी नाम की एक संस्था संसद के एक अधिनियम (एलआईसी अधिनियम, 1956) द्वारा बनाई गई थी | इस संस्था को 5 करोड़ रुपये की पूंजी के साथ भारत सरकार द्वारा शुरू किया था |

भारत में सामान्य बीमा कारोबार के इतिहास को ट्राइटन इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के बारे में अध्ययन करके पता लगाया जा सकता है | इस पहली जनरल इंश्योरेंस कंपनी का गठन अंग्रेजों ने कोलकाता में वर्ष 1850 में किया गया था |

भारतीय सामान्य बीमा कारोबार में महत्वपूर्ण मील के पत्थर

- **1907:** सामान्य बीमा कारोबार चलाने वाली पहली कंपनी भारतीय मर्केंटाइल इंश्योरेंस लिमिटेड स्थापित की गयी थी |
- **1957:** एसोसिएशन ऑफ इंडिया की एक शाखा जनरल इंश्योरेंस काउंसिल की स्थापना, निष्पक्ष और स्वस्थ व्यापार की गारंटी देने के लिए की गयी।
- **1968:** बीमा अधिनियम के निवेश को विनियमित करने के लिए सुधार हुआ है और कम से कम शोधन क्षमता के स्तर को निर्धारित करने के लिए टैरिफ सलाहकार समिति का गठन किया गया।
- **1972:** जनरल इंश्योरेंस कारोबार (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1972 के द्वारा भारत में सामान्य बीमा कारोबार का राष्ट्रीयकरण किया गया |यह 1 जनवरी 1973 से प्रभावी था।

CAREER POWER™ AN IIT/IIM ALUMNI COMPANY

107 बीमा कंपनियों को एकीकृत कर के चार कंपनियों में बांटा, नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड और यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, जीआईसी को एक कंपनी के रूप में शामिल किया गया था।

जीवन बीमा निगम

भारत में जीवन बीमा, 1956 में जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को शामिल करके राष्ट्रीयकृत किया गया था | उस समय सभी निजी जीवन बीमा कंपनियों को एलआईसी में समामेलित कर लिया गया था | 1993 में, भारत सरकार ने जीवन बीमा क्षेत्र के निजीकरण के लिए एक रोड मैप तैयार करने के लिए आर.एन. मल्होत्रा समिति को नियुक्त किया |

<u>भारत में जीवन बीमा के प्रकार</u>

टर्म बीमा पॉलिसी

इस पॉलिसी के अंत में पॉलिसी धारक को कर लाभ को छोड़कर किसी भी प्रकार मौद्रिक लाभ नहीं मिलता है | पॉलिसी धारक की मृत्यु की स्थिति में, बीमित राशि उसके लाभार्थियों/आश्रितों को भुगतान किया जाता है |

मनी बैक पॉलिसी

इसमें पॉलिसी धारक पॉलिसी की अवधि के दौरान विशिष्ट अंतराल पर एक निश्चित राशि प्राप्त करता है| पॉलिसी धारक की दुर्भाग्यपूर्ण मौत की दशा में, पूर्ण राशि लाभार्थियों को भुगतान की जाती है |

यूनिट-लिंक्ड निवेश पॉलिसी (यूलिप) (ULIP)

यूनिट लिंक्ड बीमा पॉलिसी, बीमा और निवेश दोनों के लाभों का आनंद लेने की अनुमति प्रदान करती है| मासिक प्रीमियम भुगतान का एक भाग बीमा कवर का भुगतान हो जाता है और बाकि का बचा धन ऋण और इक्विटी निवेश उपकरणों में निवेशित कर दिया जाता है |

1.4.2000 तक बीमा व्यवसाय में मुख्यतः दो पक्ष थे:

(1) भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) सामान्य बीमा कंपनियाँ

(2) जीआईसी (Dec'2000, एक राष्ट्रीय पुनर्बीमाकर्ता से प्रभावी) भारतीय साधारण बीमा निगम (जीआईसी), और इसकी चार सहायक कम्पनियाँ थीं, जिनके नाम हैं:

i. ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
ii. न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
iii. नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
iv. यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड

(दिसंबर 2000 से, इन सहायक कंपनियों के मूल कंपनी से अलग कर दिया गया है और स्वतंत्र बीमा कंपनियों का रूप दिया गया |)

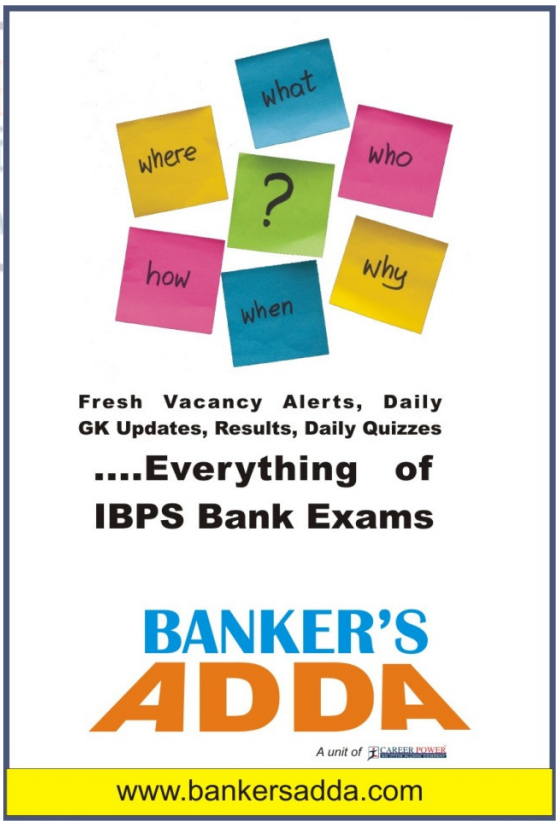

बीमा क्षेत्र में सुधार

मल्होत्रा समिति, पूर्व वित्त सचिव और रिजर्व बैंक के गवर्नर आर.एन. मल्होत्रा की अध्यक्षता में, भारतीय बीमा उद्योग का मूल्यांकन करने और भविष्य की दिशा का निर्धारण करने के लिए 1993 में बनाई गई थी।

स्वतंत्र नियामक संस्था - IRDAI

बीमा विभाग, बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण अधिनियम, 1999 (आई.आर.डी.ए. अधिनियम) लागू होने के साथ भारतीय निजी बीमा कंपनियों से प्रतिस्पर्धा के लिए खोल दिया गया है | आईआरडीए अधिनियम, 1999 के प्रावधानों के अनुसार, बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (IRDA), बीमा पॉलिसी

धारक के हितों की रक्षा करने के लिए और विनियमित करने के लिए, बढ़ावा देने और बीमा उद्योग के सुव्यवस्थित विकास को सुनिश्चित करने के लिए, 19 अप्रैल 2000 को स्थापित किया गया था |

भारत में बीमा भंडार

भारत में बीमा भंडार बीमा पॉलिसियों के एक डेटाबेस है। यह पॉलिसी धारकों को पॉलिसी की नीति में संशोधन करने की अनुमति की सटीकता और उच्च रफ़्तार के साथ एक देता है | यह 16 सितम्बर 2013 को शुरू किया गया और विश्व इस प्रकार की पहली सुविधा थी | भारत के बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण के द्वारा इंश्योरेंस रिपॉजिटरी के रूप में कार्य करने के लिए पांच संस्थाओं के लिए लाइसेंस जारी किया गया:

- मध्य बीमा भंडार लिमिटेड (CIRL)
- एस.एच.सी.आई.एल. प्रोजेक्ट्स लिमिटेड
- कार्वी इंश्योरेंस रिपॉजिटरी लिमिटेड
- एन.एस.डी.एल. डाटाबेस मैनेजमेंट लिमिटेड
- सी.ए.एम.एस. भंडार सर्विसेज लिमिटेड

सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियां:

- भारतीय जीवन बीमा निगम
- भारतीय साधारण बीमा निगम
- नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
- ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
- न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
- यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड

CAREER POWER™
AN IIT/IIM ALUMNI COMPANY
Formerly known as BANK POWER

भारतीय जीवन बीमा निगम

मुख्य कार्यालय - मुंबई

अध्यक्ष - श्री एस के रॉय

भारत की संसद में 19 जून 1956 को जीवन बीमा निगम अधिनियम, अधिनियमित किया गया | भारतीय जीवन बीमा निगम की स्थापना जीवन बीमा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, 1 सितम्बर 1956 को की गयी | इसका ध्यान विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों की ओर था क्यूंकि यह एक उचित कीमत पर उन्हें पर्याप्त वित्तीय कवर उपलब्ध कराने में सक्षम था | इसका लक्ष्य देश के सभी व्यक्तियों तक बीमा पहुंचने का था |

साधारण बीमा निगम

मुख्य कार्यालय - मुंबई

अध्यक्ष - ए.के. रॉय

भारतीय साधारण बीमा निगम (जी.आई.सी.) 3 नवंबर 2000 को 'भारतीय पुनर्बीमाकर्ता के रूप में अनुमोदित किया गया था। एक भारतीय पुनर्बीमाकर्ता के रूप में जी.आई.सी. को सार्वजनिक क्षेत्र की चार व अन्य निजी सामान्य बीमा कंपनियों के लिए पुनर्बीमा समर्थन दिया गया |

न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड

मुख्य कार्यालय - मुंबई
अध्यक्ष - जी. श्रीनिवासन

यह "विदेशी आपरेशनों का सकल प्रीमियम संग्रह समावेशी के आधार पर भारत की सबसे बड़ी सामान्य बीमा कंपनी" है | यह 1919 में सर दोराबजी टाटा द्वारा स्थापित की गयी, और 1973 में राष्ट्रीकृत की गयी |

नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (NICL)

मुख्य कार्यालय - कोलकाता
अध्यक्ष - श्री ए.वी. गिरिजा कुमार
यह भारत में, राज्य के स्वामित्व वाली एक सामान्य बीमा कंपनी है | कंपनी 1906 में स्थापित की गयी और 1972 में राष्ट्रीकृत की गयी | इसका पोर्टफोलियो अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के ग्राहकों के सामान्य बीमा का सम्पूर्ण ब्यौरा रखता है | [3] भारत में अग्रणी बीमा प्रदाता होने के अलावा, NICL नेपाल में भी कार्य करता है |

यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड

मुख्य कार्यालय - चेन्नई
अध्यक्ष - मिलिंद खरात

CAREER POWER™ AN IIT/IIM ALUMNI COMPANY

यह वित्तीय सेवा का द्योतक, वित्त मंत्रालय विभाग (भारत) के अधीन, एक सार्वजनिक क्षेत्र की भारत की जनरल इंश्योरेंस कंपनी है, और एशिया की शीर्ष सामान्य बीमा कंपनियों में से एक है | वित्त वर्ष 2013-14 में कंपनी ने 5407 करोड़ रुपए के कारोबार और 528 करोड़ रुपये के लाभ के साथ 9709 करोड़ रुपए की सकल प्रीमियम एकत्र किया | इस कम्पनी के पास सात दशकों का अनुभव गैर-जीवन बीमा व्यवसाय में है | भारत में सामान्य बीमा कंपनियों का राष्ट्रीयकरण करने के फलस्वरूप 22 कंपनियों के विलय के द्वारा इस वर्तमान स्वरूप का गठन किया गया |

ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड

मुख्य कार्यालय - नई दिल्ली
अध्यक्ष - डॉ ए.के. सक्सेना

यह उस समय मुंबई में 12 सितम्बर 1947 को स्थापित किया गया था | यह ओरिएंटल सरकारी सुरक्षा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की एक पूरी तरह स्वामित्व वाली सहायक कंपनी थी|

बीमा अवधारणाएं

बीमा क्या है?

बीमा दो पक्षों के बीच हुए करार की तरह परिभाषित किया जा सकता है जिसमे एक पक्ष बीमा कम्पनी, दुसरे पक्ष, बीमाकृत को एक मुश्त राशि किसी अप्रत्याशित घटना घटित होने के पश्चात् प्रदान करने का वचन देती है और कम्पनी अपनी इस सेवा बदले दुसरे पक्ष से प्रीमियम प्राप्त करती है |

भारतीय संविदा अधिनियम 1872 के अनुसार, " एक अनुबंध को दो या दो से अधिक पक्षों के बीच उनकी सहमती से, वैधानिक समझौते जिसमे की कुछ करने या कुछ ना करने की सहमती हो, की तरह परिभाषित किया जा सकता है |"

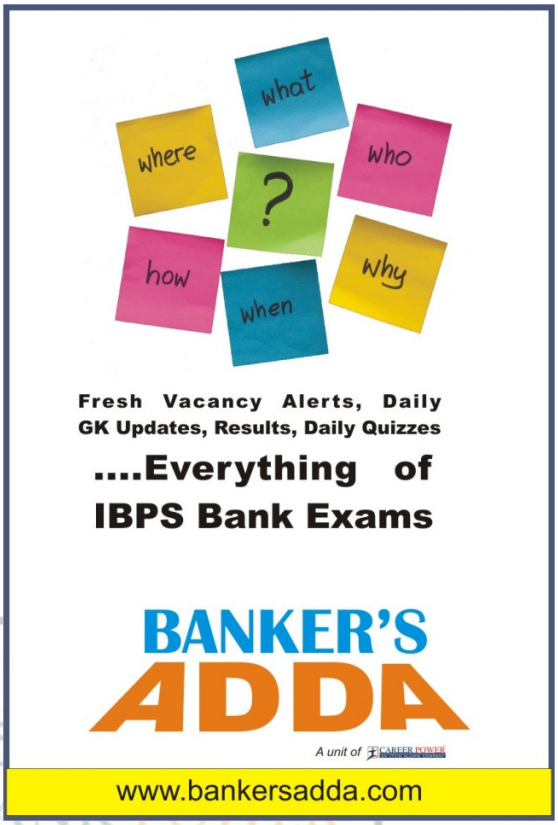

बंक्कासुरांस (Banccasurance) क्या है?

बंक्कासुरांस का आशय है बैंकों के माध्यम से बीमा उत्पादों की बिक्री | बीमा कंपनी और बैंक एक साझेदारी में अनुबंध में बनाते हैं जिसके अंतर्गत बैंक अपने ग्राहकों को बीमा कंपनी के बीमा उत्पाद बेचता है |

बैंक बीमा मॉडल भी बंक्कासुरांस कहा जाता है |

एक मुंशी (Actuary) कौन है?

वह व्यक्ति जो कि, अर्थशास्त्र, सांख्यिकी और गणित के क्षेत्र में विशेषज्ञता के साथ जोखिम मूल्यांकन और एक बीमा कारोबार के लिए प्रीमियम आदि के आकलन में मदद करता है, मुंशी (Actuary) कहा जाता है |

बीमा कंपनी में काम कर रहे पेशेवर सांख्यिकीविद् एक मुंशी है |

एक बीमांकिक विज्ञान (Actuarial Science) क्या है?

एक्चुरियल साइंस बीमा, वित्त और अन्य उद्योगों और व्यवसायों में जोखिम का आकलन करने के लिए गणितीय और सांख्यिकीय तरीकों पर लागू करने का एक अनुशासन है।

एक्चुरियल साइंस गणित, गणितीय संभावना, सांख्यिकी, वित्त, अर्थशास्त्र, वित्तीय अर्थशास्त्र, और कंप्यूटर प्रोग्रामिंग जैसे परस्पर विषयों का समामेलन हैं |

तृतीय पक्ष प्रशासक कौन हैं?

तृतीय पक्ष प्रशासक या टी.पी.ए. स्वास्थ्य बीमा कंपनियों, पॉलिसीधारकों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

टीपीए पॉलिसी धारकों के डेटाबेस को अनुरक्षित करते हैं और अद्वितीय पहचान संख्या के साथ उन्हें पहचान पत्र जारी करते हैं और पॉलिसी के सभी मुद्दों के सम्बन्ध में दावा प्रस्तुत करते हैं |

मोर्टेलिटी शुल्क क्या है?

मोर्टेलिटी शुल्क बीमित व्यक्ति के जीवन पर पॉलिसीधारक को जीवन बीमा कवर उपलब्ध कराने के लिए बीमा कंपनी द्वारा हर साल शुल्क की राशि है |इसे बीमा की लागत की तरह भी देखा जाता है |

परिपक्वता की तारीख क्या है?

यह वह देय तिथि है, जिस पर निवेशकर्ता को उसके द्वारा निवेशित नोट, ड्राफ्ट, स्वीकृति बांड या अन्य ऋण लिखत की मूल राशि प्राप्त हो जाती है और ब्याज मिलना बंद हो जाता है |

परिपक्वता की तारीख यह बताती है कि, आपको आपका मूलधन कब तक मिलेगा और कितनी अवधि तक आपको ब्याज मिलता रहेगा |

एक एजेंट कौन है?

एजेंट एक व्यक्ति है जिसे बीमा बेचने के लिए राज्य द्वारा लाइसेंस प्राप्त है | एजेंट बीमा कंपनी और बीमाकृत के बीच एक मध्यस्थ के रूप में कार्य करते हैं।

एजेंट केवल समय से फ़ार्म, प्रीमियम और अन्य कागजी कार्रवाई के लिए ही जिम्मेदार हैं |

- कैप्टिव एजेंट – एजेंट एक विशेष कंपनी के बीमा बेचते हैं |
- स्वतंत्र एजेंट – जो एजेंट स्वतंत्र रूप से काम करता है और कई कंपनियों के बीमा बेचता है |

दलाल कौन है?

एक बीमा दलाल, बीमा और जोखिम प्रबंधन में एक विशेषज्ञ है | दलाल अपने ग्राहकों की ओर से कार्रवाई करता है और उनके ग्राहकों के हित में सलाह प्रदान करता है |

वार्षिकी क्या है?

एक बीमा कंपनी द्वारा बेचे एक लंबी अवधि के अनुबंध जो कि आमतौर पर सेवानिवृत्ति के बाद, निर्दिष्ट अंतराल पर धारक को भुगतान प्रदान करने के लिए बनाया गया है।

बीमा योग्य और बीमा-अयोग्य जोखिम क्या हैं?

बीमा पॉलिसी के विनिर्देशों के मानक के अनुरूप एक जोखिम, बीमा जोखिम कहा जाता है।

ऐसी दशा में जबकि नुकसान बहुत बड़ा हो और कोई भी बीमा कम्पनी इसको देना नहीं चाहती तो यह बीमा-अयोग्य जोखिम होता है |

बीमा में ए.डी. और डी. (AD&D) क्या है?

AD&D बीमा में दुर्घटना में मृत्यु या अंगविच्छेदन को दर्शाता है

एक दुर्घटना के कारण मौत होने पर यह नीति लाभार्थी को लाभ देती है | यह जीवन बीमा की एक सीमित रूप है जो कि, आम तौर पर कम खर्चीला है |

बीमा में निरस्त पॉलिसी क्या है?

जब बीमाकृत रियायती अवधि नियत तारीख पर या के बाद भी प्रीमियम राशि की देने में अक्षम रहता है तो कम्पनी ऐसे खतों के सभी लाभ बंद कर देती है जिसे निरस्त पॉलिसी कहा जाता है |

समर्पण मूल्य क्या है?

परिपक्वता से पहले नीति से बाहर निकलने का फैसला करने पर पॉलिसीधारक को बीमा कंपनी से मिलने वाली राशि को समर्पण मूल्य कहते हैं | समर्पण मूल्य केवल तीन वर्षों के पूर्ण प्रीमियमों के बाद देय है।

परिपक्वता दावा क्या है?

दावा का एक प्रकार है जिसमें बीमा परिपक्वता दावा प्रपत्र बीमा की परिपक्वता तिथि पर भरा जाता है |

मौत का दावा क्या है?

बीमित की मौत के लिए बीमा कंपनी को बीमित के नामांकित व्यक्ति द्वारा किए गए दावे का एक प्रकार है।

वैध दावा और धोखाधड़ी का दावा क्या है?

धोखे से दावों की अतिशयोक्ति से बीमा कंपनी को होने वाले नुकसान से बचाने के लिए बीमा कम्पनी दावा प्रामाणिकता और राशि पुष्टि करती है |

इसे यदि वैध दावे के रूप में वर्गीकृत किया जाता है तो यह एक वैध दावा है, अन्यथा यह धोखाधड़ी के दावे के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, इस प्रकार से बीमा कम्पनी संदिग्धों की जाँच करती है |

पॉलिसी प्रभावहीन है से क्या स्पष्ट आशय है?

जब बीमाकृत रियायती अवधि नियत तारीख पर या के बाद भी प्रीमियम राशि की देने में अक्षम रहता है तो कम्पनी ऐसे खतों के सभी लाभ बंद कर देती है तो इसे प्रभावहीन पॉलिसी कहते हैं |

उपदान क्या है?

उपदान कंपनी में कर्मचारी द्वारा की पेशकश की सेवाओं के लिए आभार में उसके नियोक्ता के द्वारा प्राप्त होता है यह वेतन का एक हिस्सा होता है।

शून्य और शून्य करणीय अनुबंध क्या है?

शून्य अनुबंध कानून द्वारा लागू नहीं किया जा सकता | कोई भी समझौता जो कि कानूनन अवैध है पर शून्य अनुबंध के रूप में माना जाता है।

पेड-अप मूल्य क्या है?

बीमित न्यूनतम तीन साल के लिए प्रीमियम के प्रदत्त मूल्य का भुगतान कर चुका है तो कम्पनी उसे उसकी पॉलिसी की सामान्य नीति को बदलने का अधिकार मिल जाता है |

टर्मिनल बोनस क्या है?

टर्मिनल बोनस परिपक्वता तिथि तक नीति को बनाए रखने के लिए बीमा करने के द्वारा भुगतानित वफादारी बोनस है |

यह परिपक्वता के दौरान भुगतान किया जाने वाला बोनस है और इसका मूल्य परिपक्वता के समय ही पता लगता है, पहले से इसके बारे में कोई सूचना नहीं होती है |

सबसे अच्छा है पूंजी पर्याप्तता सापेक्षता (BCAR) –

यह एक कंपनी के सापेक्ष पूंजी की ताकत का उसका अपने उद्योग साथियों के समग्र की तुलना में प्रतिशत है |

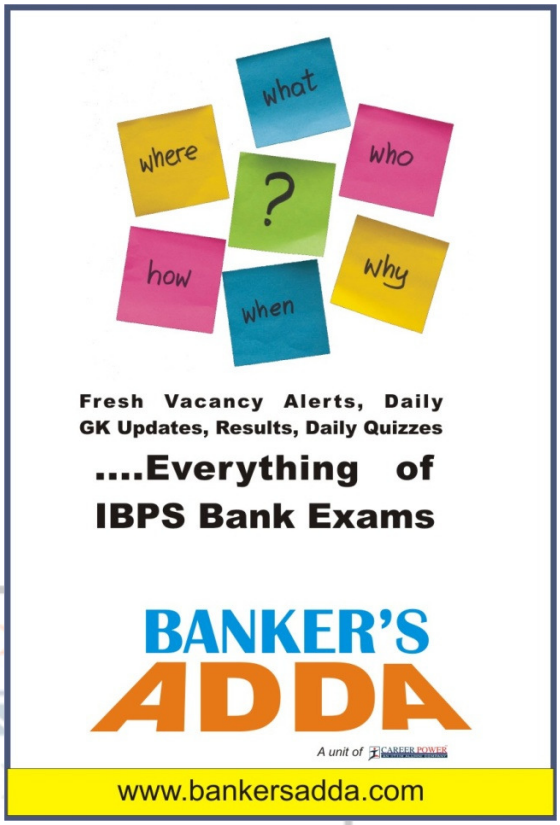

तरलता (लिक्विडिटी)

लिक्विडिटी जल्दी से नुकसान उठाने के बिना नकद में परिसंपत्तियों कन्वर्ट करने के लिए एक व्यक्ति या व्यापार की क्षमता है | यह दो प्रकार के हो सकते हैं |

क्विक लिक्विडिटी

आपात स्थिति के मामले में जो धन नकदी में तुरंत परिवर्तित किया जा सकता है जैसे कि; नकद, अल्पकालिक निवेश, और सरकारी बॉन्ड आदि |

करैंट लिक्विडिटी

जो धन नकदी में जल्दी से बदला तो जा सकता है परन्तु उतनी तरम्यता नहीं रहती जैसे कि, माल आदि |

पुनर्बीमा

यह ऐसा बीमा है जिसे खुद बीमा कम्पनी अपनी सुरक्षा के लिए खरीदती है | यह कम्पनी को इसका आकार बढ़ाने में सहायता प्रदान करता है |

चूक अनुपात

एक निश्चित अवधि के दौरान लैप्स हुयी पालिसी का उसी अवधी के शुरुआत में शुरू हुई कुल पालिसी का अनुपात है |

भ्रष्ट बीमाकर्ता

वित्तीय दायित्वों या नियामक आवश्यकताओं को पूरा करने में वित्तीय कठिनाई झेलने वाला बीमाकर्ता |

लाभांश

प्रीमियम की राशि का कुछ हिस्सा जो की इसलिए लौटा दिया जाता है क्यूंकि कम्पनी के स्टॉक या शेयर में लगा पैसा कम्पनी को लाभ दे रहा है, इसे उस कम्पनी के लाभ के हिस्से के रूप में देखा जाता है |

प्रतिधारण

जोखिम का वह भाग जो कि कम्पनी तो उठाती है लेकिन उस जोखिम का कही और बीमा नहीं करवाती है उसे प्रतिधारण कहते हैं |

बीमा जोखिम

ऐसा जोखिम जिसके लिए अपेक्षाकृत जल्दी बीमा किया जा सके, ऐसा जोखिम बीमा कम्पनी की सभी नीतियों के अनुकूल होता है, उसे बीमा जोखिम कहते हैं | ऐसे में जोखिम बहुत कम होता है तो कम्पनियाँ कम फायदा कमाते हुए इसके मूल्य को कम कर देती हैं |

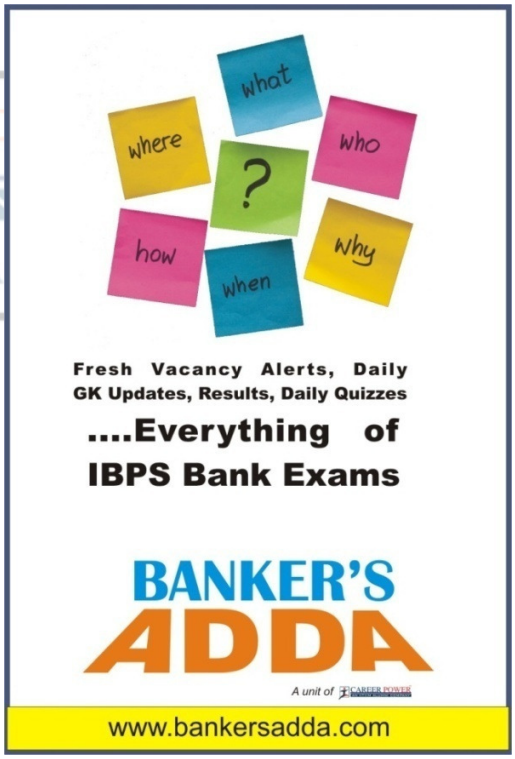

कुछ प्रमुख बीमा कंपनियों की टैगलाइन और उनके शीर्ष

भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC)

- टैगलाइन - योगक्षेमं वहाम्यहम
- सीईओ - एस के रॉय

मैक्स लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड

- टैगलाइन - आपके सच्चे एडवाइजर
- सीईओ - राजेश सूद

न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड

- टैगलाइन - इंडियाज प्रीमियर जनरल इंश्योरेंस कंपनी
- सीईओ - जी श्रीनिवासन

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड

- टैगलाइन - विथ अस, यू ऑर श्योर

- सीईओ - अरिजित बसु

यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड

- टैगलाइन - रेस्ट अश्योर्ड विथ अस
- सीईओ - मिलिंद खरात

ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड

- टैगलाइन - पृथ्वी, अग्नि, जल, सबकी सुरक्षा हमारे पास
- अध्यक्ष - ए के सक्सेना

कोटक महिंद्रा ओल्ड म्युचुअल लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड

- टैगलाइन - फायदे का इंश्योरेंस
- अध्यक्ष - गौरांग शाह

मैक्स न्यूयॉर्क लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड

टैगलाइन - करो ज्यादा का इरादा

अपोलो म्यूनिख हेल्थ इंश्योरेंस

- टैगलाइन - वी नो हेल्थकेयर
- सीईओ - एंथोनी जैकब
- अध्यक्ष - प्रताप सी रेड्डी

CAREER POWER™ AN IIT/IIM ALUMNI COMPANY ~ Formerly known as BANK POWER

Future Generali Life Insurance

- टैगलाइन - एक शगुन ज़िन्दगी के नाम
- अध्यक्ष - जी एन बाजपेयी
- सीईओ - मुनीश शारदा

अवीवा इंडिया लाइफ इंश्योरेंस

- टैगलाइन - कल पर कंट्रोल
- सीईओ - टी. आर. रामाचन्द्रन

टाटा ए.आई.ए लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड

- टैगलाइन - यू क्लिक वी कवर
- अध्यक्ष - इशात हुसैन

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड

- टैगलाइन - जिम्मेदारी का हमसफ़र
- सीईओ - संदीप बक्शी

एचडीएफसी स्टैंडर्ड लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड

- टैगलाइन - सर उठा के जियो
- सीईओ - अमिताभ चौधरी, विभा पदल्कर

बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड

- टैगलाइन - Jiyo Befiqar जियो बेफिक़र
- सीईओ- अनुज अग्रवाल

बिरला सन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड

- टैगलाइन - मुस्कुराते रहो
- सीईओ - पंकज राजदान

मैक्स बूपा हेल्थ इंश्योरेंस

- टैगलाइन - योर हेल्थ फर्स्ट
- अध्यक्ष - अनुरूप सिंह

एक्साइड लाइफ इंश्योरेंस इंडिया कंपनी (जिसे पहले जाना जाता था : आईएनजी वैश्य लाइफ इंश्योरेंस इंडिया कंपनी)

- टैगलाइन - ऐडिंग लाइफ टू इंश्योरेंस
- अध्यक्ष - राजन रहेजा
- सीईओ - क्षितिज जैन

पीएनबी मेटलाइफ इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड

- टैगलाइन - हैव यू मेट लाइफ टुडे?
- सीईओ - तरुण चुग

ALL THE BEST...!!!